Expt.No. Name - Shreyashi Bera
Class - II
Sec - C

Page No.
Date.

Chapter-14

हमारे प्रेरणा ~~स्त्र~~ स्रोत

१.क कनकदास की तरह मीराबाई और ~~सुरदा~~ सुरदास श्रीकृष्ण के भक्ति पद गाने के लिए प्रसिद्ध है।

ख. आदिकेशव मंदिर कागिनेले में था।

ग. कनकदास जी की कविताओं को कीर्तनों के नाम से जाना जाता है।

घ. तिमप्पा के नाम है- कनकदास और कनकनायक।

ङ. कनकदास जी के कोई दो रचनाओं के नाम- नलचरित, हरिभक्तिसागर।

OXFORD

Teacher's Signature ....

Expt.No.

Page No.
Date.

क) मालाएँ ख) गानें ग) लड़के
घ) गाड़ीयाँ ङ) माताएँ

क) वर्ष ख) प्रयोग ग) ग्राम
घ) कीर्तन ङ) वर्णन

४.क) बाड़	श्रीकृष्ण
ख) कामिनेल	गतास
ग) प्रमुख रचना	आदिकेशव
घ) कभड़	सोध्द तरंगीणी
ङ) अपार श्रद्धा	साहित्य

OXFORD®

Teacher's Signature ....